Dynamic Portfolio Management & Services Ltd.

Regd. Office 1403 Vikram Tower 16 Rajendra Place New Delhi - 110008.
Phone 011 - 47012010 011 - 45500295 Email dpms.kolkata@gmail.com.
Website www.dynamicwealthservices.co.in CIN L74140DL1994PLC304881

Dated: 6th September, 2021

To,
General Manager
Department of Corporate Affairs
Bombay Stock Exchange Limited
Floor 25,Phiroze Jeejeebhoy Towers
Dalal Street
Mumbai-400001

Reg.: Scrip Code 530779

Subject: Regulation 47 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015

Dear Sir/Ma'am,

Pursuant to Regulation 47 of the SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find enclosed the copy of the Annual General Meeting Notice published in Business Standard, (English) & Haribhoomi (Hindi) Newspaper dated 6th September, 2021.

The Annual General Meeting to be held on 29th September, 2021 at the Registered office of the Company.

This is for your kind information & records.

Thanking you,

Yours truly,
For Dynamic Portfolio Management & Services Limited

DYNAMIC PORTFOLIO MANAGEMENT & SERVICES LTD. NEW DELHI

Nidhi

Nidhi Agarwal
Company Secretary

Encl.:as above

नामी कंपनियों की फ्रेंचाइजी दिलवाने के नाम पर ठगी करने वाले चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- पकड़े गए आरोपियों में गिरोह का मास्टरमाइंड व एक कंपनी का सीईओ भी शामिल
- 500 से अधिक लोगों को लगा चुके है चूना
- आरोपियों के पास से 17 बैंक अकाउंट व अन्य दस्तावेज बरामद

दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने हल्दीराम, अमूल और पतंजलि जैसे नामी कंपनियों की फ्रेंचाइजी दिलवाने के नाम पर सैंकड़ों लोगों के साथ ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के मास्टरमाइंड व एक निजी कंपनी के सीईओ समेत चार लोगों को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों में मास्टरमाइंड विकास मिस्त्री (24), सीईओ विनय विक्रम सिंह (37), विनोद कुमार (27) और संतोष कुमार (32) है।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि विनय विक्रम फर्जी वेबसाइट बनाकर इनको देता था। इसकी मदद से वे लोगों को नामी आउटलेट और स्टोर की फ्रेंचाइजी दिलवाने के नाम पर ठगी करते थे। पुलिस ने इनके पास से 17 बैंक अकाउंट व अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। आरोपी अभी तक देशभर के 500 से अधिक लोगों से करोड़ों रुपये का चूना लगा चूके है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। डीसीपी (साइबर सेल) अनेश रॉय के अनुसार, शिकायतकर्ता दिल्ली निवासी रिशिका गर्ग (बदला हुआ नाम) दिल्ली में अपना हल्दीराम का आउटलेट खोलना चाहती थीं। गूगल पर सर्च करने पर उन्हें एक वेबसाइट मिली। इस वेबसाइट में दावा किया गया था कि वह हल्दीराम की फ्रेंचाइजी दिलवाने के अलावा डीलर शिप भी दिलवा देंगे। इस पर उसने वेबसाइट पर दिए गए नंबर से संपर्क किया। आरोपियों ने अपने नाम आशीष कुमार और रवि कुमार बताए। फोन करने पर आरोपी ने पीड़िता को फ्रेंचाइजी लेने के लिए अलग-अलग मदों (एप्लीकेशन फॉर्म, डोकोमेंट वेरिफिकेशन, सिक्योरिटी डिपॉजिट, ब्रांड नेम यूज, हार्डवेयर एडवांस, साइट इंस्पेक्शन फ्री) में पैसों की मांग की। इस पर रिशिका उसके झांसे में आ गई और उसने आरोपी के खाते में 11 लाख 74 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी एक लाख 60 हजार रुपये की और मांग की। पीड़िता को शक हुआ। जांच करने पर पीड़िता को ठगे जाने का पता चला। इसके बाद उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

फर्जी चल रही थी कई वेबसाइट

जांच के दौरान साइबर सेल को पता चला कि आरोपियों ने हल्दीराम, अमूल, पतंजलि समेत अन्य स्टोर की फ्रेंचाइजी के नाम पर ढेरों फर्जी वेबसाइट चल रही हैं। इनमें कुछ **haldiramsfranchise.in**, **haldiram-franchise.com**, **haldiramdeal.com** थीं।

टेक्निकल सर्विलांस की मदद से शुरू की जांच

पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आगे की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि कई बैंक अकाउंट, फर्जी सिम कार्ड और 36 मोबाइल के इस्तेमाल का पता चला। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए नालंदा, बिहार, फरीदाबाद, हरियाणा, लुधियाना, पंजाब और दिल्ली के अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। इसके बाद पुलिस ने गत 27 अगस्त को आरोपी विकास मिस्त्री व इसके जीजा संतोष व संतोष के भाई विनोद को गिरफ्तार किया। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने विनय विक्रम सिंह को दबोच लिया।

गूगल पर विज्ञापन देने का भी सहारा लेते थे आरोपी

पूछताछ के दौरान आरोपी विकास मिस्त्री ने पुलिस को बताया कि वह दो साल से ठगी की वारदात को अंजाम दे रहा है। विनय विक्रम सिंह फर्जी वेबसाइट बनाकर गैंग को देता था। वह वेबसाइट पर अपना एक नंबर भी अपलोड करते थे। वेबसाइट के प्रचार के लिए गूगल पर विज्ञापन देने का भी सहारा लिया जाता था। लोग इनके झांसे में आकर उनसे संपर्क करते थे तो आरोपी विश्वास जीतकर पीड़ितों से अलग-अलग मदों में मोटी रकम ऐंठ लिया करते थे।

खबर संक्षेप

लूटपाट के दौरान दो भाइयों पर हमला

नई दिल्ली। मानसरोवर पार्क थाना इलाके में लूटपाट के दौरान बदमाशों ने दो भाइयों पर जानलेवा हमला दिया। बदमाशों ने पीड़ितों पर कांच की बोलत व धारदार हथियार से हमला किया। हमले में दोनों घायल हो गए। इसके बाद बदमाश नकदी व मोबाइल फोन लूटकर मौके से फरार हो गए। सूचना पुलिस को दी गई। घायल भाइयों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घायलों का नाम निलेश और अनिल है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, निलेश कुमार, अपने भाई अनिल व राम अवतार के साथ किराए पर शाहदरा के ज्वाला नगर में रहते हैं। शुक्रवार रात करीब नौ बजे वह अपने भाई अनिल के साथ फैक्ट्री से घर लौट रहा था। जैसे ही ज्वाला नगर गली नंबर-6 के पास रेलवे लाइन पर पहुंचे, तभी उसके पास से इलाके का बदमाश काले उर्फ विकास अपने दो साथियों के साथ बैठा हुआ था। उसने दोनों भाइयों को रुकने के लिए कहा तो वह अनसुना कर आगे बढ़ने लगे। तभी काले ने पीछे से कांच की बोलत उनके सिर पर मारने लगा। वह बचकर भागने का प्रयास करने लगे तो उसके साथियों ने पकड़ लिया और फिर धारदार हथियार से हमला कर दिया। दोनों भाई लहूलुहान हो गए। इसके बाद उनकी जेब से दोनों मोबाइल फोन व करीब दो हजार रुपये लेकर फरार हो गए।

जीजा ने साले को उतारा मौत के घाट, गिरफ्तार

नई दिल्ली। नरेला इंडस्ट्रियल इलाके में 16 साल के लड़के की हथौड़े से पीट-पीटकर हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले मृतक के जीजा को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपी का नाम विकास उर्फ वाशु (23) है। पुलिस ने इसके पास से वारदात में इस्तेमाल हथौड़ा, खून से सने कपड़े और बाइक बरामद की है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसे शक था कि उसका साला अपनी सगी बहन के साथ गलत हरकतें करता था। इसके चलते उसने उसकी हत्या कर दी। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। डीसीपी राजीव रंजन सिंह के अनुसार, गत तीन सितंबर को बवाना जेजे कॉलोनी में घर के अंदर ही 16 साल के लड़के की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों को पकड़ने के लिए एसएचओ नरेला इंडस्ट्रियल एरिया अशोक कुमार, एटीओ निपुन कुमार की देखरेख में गठित पांच टीमों का गठन किया था।

एमपी से लाकर दिल्ली-एनसीआर में करता था सप्लाई

हथियारों की तस्करी करने वाला बदमाश चढ़ा स्पेशल सेल के हत्थे

स्पेशल सेल ने हथियारों की तस्करी करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी का नाम इशब (39) है। आरोपी गांव गोपालगढ़, पहाड़ी, भरतपुर, राजस्थान का रहने वाला है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह पिछले तीन-चार सालों से मध्य प्रदेश के खरगोन से हथियार लाकर दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में सप्लाई कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से 15 पिस्टल और 30 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

खास बातें

- 15 पिस्टल और 30 कारतूस बरामद
- पहले भी गिरफ्तार हो चुका है आरोपी
- 500 से अधिक हथियार कर चुका है सप्लाई

डीसीपी (स्पेशल सेल) प्रमोद सिंह कुशवाहा के अनुसार, सेल की टीम पिछले कई माह से हथियार सप्लाई करने वाले तस्करों के बारे में जानकारी जुटा रही थी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि बदमाश मध्य प्रदेश के सेंधवा, खरगोन, धार और बुरहानपुर से हथियार लाकर दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई कर रहे हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए एक टीम बनाई गई। इसी बीच टीम को सूचना गुप्त सूचना मिली कि खारगौन से हथियार लेकर एक बदमाश मोदी मील फ्लाईओवर, मथुरा रोड के पास आने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और उन्होंने मौके पर पहुंचकर अपना जाल बिछा लिया। आरोपी के मौके पर आते ही पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।

बैग की तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से 15 पिस्टल व 30 कारतूस मिले। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह पिस्टल मध्य प्रदेश से दिल्ली लेकर अपने जानकार को सप्लाई करने आया था।

सस्ते में खरीदकर महंगे दामों पर बेचता था पिस्टल

आरोपी ने बताया कि वह पहले दूसरे लोगों के लिए काम करता था। लेकिन बाद में उसने अपने संपर्क बनाकर खुद का काम शुरू किया। वह 10 से 12 हजार में पिस्टल खरीदकर आगे 20 से 25 हजार में बेच देता था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर इसके बाकी साथियों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। आगे जांच में पुलिस को पता चला कि आरोपी अभी तक 500 से अधिक पिस्टल सप्लाई कर चुका है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हथियार तस्करी के 2019 एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। इसमें दस साल से उम्र कैद तक की सजा का प्रावधान है।

200 करोड़ की ठगी मामले में एक्ट्रेस लीना मारिया पॉल गिरफ्तार

नई दिल्ली। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 200 करोड़ रुपए की ठगी से जुड़े मामले में एक एक्ट्रेस लीना मारिया पॉल को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड सुकेश चंद्रशेखर को पकड़ा था। एक्ट्रेस चंद्रशेखर की पत्नी है। बताया जा रहा है कि सुरेश से पूछताछ के बाद लीना मारिया का नाम सामने आया था। कई घंटों की पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे रविवार को गिरफ्तार किया। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। एडिशनल सीपी राकेश कुमार सिंह के अनुसार, एक्ट्रेस लीना मारिया पॉल को लंबी पूछताछ के बाद आरोपी पाए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया है। आगे भी उससे पूछताछ की जा सकती है। पुलिस जानकारी जुटा रही है कि लीना की इस मामले में क्या भूमिका रही। सुकेश जेल में बंद था। लीना ने इस मामले में किस तरह उसकी मदद की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि वर्ष 2013 में एक्ट्रेस ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर एक बैंक के साथ फ्रॉड किया था। इसके मामले में पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया था। शातिर जालसाज चंद्रशेखर ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस फर्जीवाड़े को अंजाम दिया। पीड़िता से गृह मंत्रालय का अधिकारी बनकर उसके पति को जेल से निकालने के नाम पर यह फ्रॉड किया गया। आरोपी सुकेश चंद्रशेखर बेहद शातिर है। इसे साल 2017 में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया था। उसने तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की मौत के बाद हुए विवाद में पार्टी का निशान 50 करोड़ रुपये में चुनाव आयोग से दिलवाने की बात कही थी। बता दे कि दिल्ली पुलिस ने गत आठ अगस्त को रेड कर जेल के अंदर से सुकेश के पास से दो मोबाइल फोन बराबद किए। सुकेश जेल के अंदर बैठे-बैठे कई बड़े बिजनेसमैन के साथ संपर्क में था। वह जेल में बैठकर ही सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के कई मामले सुलझाने के दावे किया करता था।

हादसा...

नई दिल्ली। बाराखंबा रेड लाइट के पास सीमेंट का मिक्सर बनाने वाली मशीन ले जाने वाला डंपर पलटने से दो लोग घायल हो गए।

डेढ़ करोड़ की हेरोइन के साथ महिला समेत तीन चढ़े हत्थे

- दो आरोपियों पर पहले से दर्ज है आपराधिक मामले

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने इंटरस्टेट सिंडिकेट हेरोइन तस्करी करने वाले तीन आरोपियों को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों के नाम मोहम्मद आलम, आशा उर्फ पाशो उर्फ बाजी व सुनील है। आरोपी बरेली व बदायूं से हेरोइन लाकर दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करते थे। आरोपी आलम के खिलाफ गोकुलपुरी थाने में हत्या का मामला दर्ज है, वहीं सुनील पर दो मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इनके पास से 820 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। जिसकी कीमत बाजार में 1 करोड़ 50 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

फर्जी दस्तावेजों से बैंकों को लगाता था चूना, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

साउथ जिल के साइबर सेल ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर क्रेडिट कार्ड बनाकर बैंक को चूना लगाने वाले एक आरोपी को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपी का नाम शकील आलम (30) है। आरोपी राजू पार्क, खानपुर का रहने वाला है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी ने एक विदेशी अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक को 15 लाख से अधिक का चूना लगाया था। इसी रकम से आरोपी ने एक कार खड़ी थी। पुलिस ने इसके पास से गाड़ी भी बरामद कर ली है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। डीसीपी अतुल कुमार ठाकुर के अनुसार, कुछ दिनों पहले अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक ने ठगी की शिकायत साकेत थाने में थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि एक शख्स ने बैंक में फर्जी कागजात लगाकर चार क्रेडिट कार्ड बनवाए। इन कार्ड के माध्यम से आरोपी ने लाखों रुपये की खरीदारी की और गायब हो गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी ने बैंक को 15 लाख 39 हजार रुपये से अधिक का चूना लगाया।

गिरोह का मास्टरमाइंड व आठ युवतियों समेत 14 गिरफ्तार

सस्ते दामों पर फोन दिलाने का झांसा देकर जाल में फंसाते थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

20 हजार वाला फोन पांच हजार में देने का देते थे ऑफर

- आउटर जिले की साइबर सेल ने किया पर्दाफाश
- दिल्ली से बाहर के लोगों को बनाते थे निशाना
- दो सीपीयू, एक लैपटॉप, नौ मोबाइल, एक मॉनीटर, बीस रिकॉर्ड रजिस्टर, प्रिंटर आदि सामान बरामद

आउटर जिले के साइबर सेल ने 20 हजार रुपये के मोबाइल को महज पांच हजार रुपए में दिलाने का झांसा देने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह में आठ युवतियां समेत 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में गैंग का लीडर भी है। पकड़े गए आरोपियों में गैंग लीडर अजीत (27) और लता, संजना, काजल, नैना, प्रिया, पूजा, कीर्ति, नीलम, उमेश, नितिन, प्रभादित सिंह, फुरकान व यशपाल है। पुलिस ने इनके पास से दो सीपीयू, एक लैपटॉप, नौ मोबाइल, एक मॉनीटर, बीस रिकॉर्ड रजिस्टर, प्रिंटर आदि सामान जब्त किया है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

डीसीपी परविंदर सिंह के अनुसार, जिले के साइबर सेल को सूचना मिली कि पीरागढ़ी पश्चिम विहार वेस्ट इलाके में एक कंपनी महंगे मोबाइल को सस्ते दाम पर बेचने के नाम पर लोगों को ठग रही है। सूचना मिलते ही एक टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर रेड की। पुलिस को देखकर वहां मौजूद सभी लोग भागने लगे। पुलिस ने सभी को मौके पर ही पकड़ लिया। कॉल सेंटर का मालिक अजीत है। वह पहले कॉल सेंटर में ही काम करता था। वह कॉल सेंटर बंद हो गया। उसके पास कोई काम नहीं था, जिस वजह से उसने अपना कॉल सेंटर खोल ठगी करना शुरू कर दिया।

पैकेट में मिलता था साबुन व गिफ्ट

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया की वह दिल्ली से बाहर के लोगों को अपना निशाना बनाते थे। वह 20 हजार रुपए का मोबाइल फोन पांच हजार में देने का ऑफर देते थे। झांसा देने के बाद अगर सामने वाला ऑफर को पसंद करते तो उन्हें इंडिया पोस्ट के जरिए पार्सल से डिलीवरी के लिए भेजा जाता। उस पैकेट में पचास से सौ रुपए की साबुन या अन्य गिफ्ट रख दिया जाता था।